- **सामाजिक ताने-बाने को बाधित करता है:** संगठित अपराध और आतंकवाद दोनों ही सामाजिक ताने-बाने में अवांछित व्यवधान उत्पन्न करते हैं। ये समाज में मनोवैज्ञानिक और भौतिक संकट उत्पन्न करते हैं। दोनों के बीच के संबंध **समाज में कट्टरता और अविश्वास को भी बढ़ावा देते हैं।**
- **सरकार में जनता का विश्वास कम करता है:** यदि संगठित अपराध और आतंकवाद के मध्य संबंधों को अनियंत्रित होने दिया जाता है, तो वे लोकतंत्र में जनता के विश्वास और अपने नागरिकों को न्याय देने की राज्य की क्षमता को खतरे में डाल सकते हैं।

दोनों के बीच संबंधों की बहुआयामी प्रकृति की पहचान करते हुए, भारत ने संगठित अपराध को आतंकवाद से अलग करने के लिए व्यापक उपाय किए हैं, जैसे:

- **संयुक्त राष्ट्र अभिसमयों की पुष्टि:** भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNTOC) और इसके तीन प्रोटोकॉलों की पुष्टि की है।
- **फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF):** FATF के पूर्ण सदस्य के रूप में भारत, वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के वित्तपोषण के तंत्र को खत्म करने और उसके दमन हेतु मानक स्थापित करने में सक्रिय रूप से संलग्न है, विशेष रूप से उन देशों में जो आतंकवाद को राज्य के लिए प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) के रूप में उपयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त भारत ने FATF का सदस्य होने के नाते, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद वित्तपोषण के संबंध में अपने स्वयं के नियमों को उन्नत किया है।
- **विधायी उपाय:** हाल ही में, भारत द्वारा अपने इन कार्यों को और मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) अधिनियम एवं गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम में संशोधन किए गए हैं।
- **आत्मविश्वास बढ़ाने के उपाय:** भारत अक्सर सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के बीच इस तरह के उपाय करता है ताकि दोनों के बीच गठजोड़ को खत्म करने में उनका समर्थन प्राप्त हो सके।

हालांकि, भारत में संगठित अपराधों पर एक राष्ट्रीय कानून का अभाव है, जो ऐसे अपराधों के बेहतर नियंत्रण के लिए आवश्यक है। साथ ही, कट्टरता को रोकने और जनता में विश्वास का निर्माण करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक और सहयोगात्मक अनुक्रिया की आवश्यकता है। इन दो अवैध गतिविधियों के खतरे को देखते हुए, दोनों के बीच गठजोड़ को तोड़ने हेतु प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है।

16. India faces a number of security threats and challenges that originate from the seas. Discuss. Also, give an account of the initiatives taken to strengthen the coastal security of India in recent times. (250 words) 15

भारत समुद्र से उत्पन्न होने वाले अनेक सुरक्षा खतरों और चुनौतियों का सामना करता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, हाल के दिनों में भारत की तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई पहलों का विवरण दीजिए।

दृष्टिकोण:

- भारत की समुद्री सीमा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।
- तटीय सीमा से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों और चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।
- भारत में तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।
- तदनुसार निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:

भारत की तटरेखा लगभग 7,516 किमी. लंबी है, जिसका प्रबंधन केंद्र सरकार और 9 तटीय राज्यों द्वारा किया जाता है। आर्थिक और सामरिक हितों के कारण तटीय क्षेत्रों और समुद्रों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। मात्रा के हिसाब से भारत का लगभग 90% विदेशी व्यापार और बाह्य व्यापार के मूल्य के हिसाब से लगभग 70% समुद्र के माध्यम से किया जाता है। महत्वपूर्ण शहरी केंद्र और उद्योगों के साथ-साथ वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, परमाणु ऊर्जा केंद्र, रक्षा प्रतिष्ठान, ऊर्जा अवसंरचना आदि भारत की तटीय सीमाओं पर स्थित हैं।

समुद्र से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरे और चुनौतियां निम्नलिखित हैं:

- **आतंकवाद का खतरा:** वर्ष 1993 में मुंबई सीरियल ब्लास्ट और 26/11 का मुंबई आतंकी हमला, समुद्र के रास्ते आतंकवादियों और विस्फोटकों की घुसपैठ कारण ही हुए थे। समुद्र तट की दूरस्थता और विशालता के कारण, यह अक्सर असुरक्षित रहता है और घुसपैठ के लिए आदर्श स्थान होता है।
- **तस्करी की चुनौती:** गुजरात के तट और पश्चिम बंगाल के सुंदरवन की खाड़ियां तस्करी के लिए सबसे पसंदीदा मार्ग हैं। यहां नावें आसानी से उतर सकती हैं और गायब हो सकती हैं, तथा स्थलाकृति की जटिलता के कारण इन नावों का पता लगाना मुश्किल होता है। भारत के तट सोना, नशीले पदार्थों, विस्फोटकों, हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी के प्रति सुभेद्य रहे हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और खाड़ी देशों के साथ भारत के तटों की भौगोलिक निकटता इसकी सुभेद्यता को और बढ़ा देते हैं।
- **मानव तस्करी और घुसपैठ:** घने मैंग्रोव, निम्न ज्वार के दौरान घुसपैठियों को शरण देते हैं तथा कई द्वीप और बालू रोधिकाएं (सैंडबार) जो संपूर्ण समुद्र तट के साथ मौजूद हैं, घुसपैठियों और उनके वर्जित माल के लिए आदर्श ठिकाने होते हैं। इस प्रकार पूर्वी भारत में बांग्लादेश से अवैध प्रवास में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।